जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

02 मई 2023

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया स्कूल टीचर को मिला मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी का प्रतिष्ठित साहित्यिक पुरस्कार

जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली के सैयद आबिद हुसैन सीनियर सेकेंडरी स्कूल की टीचर और फिक्शन लेखिका डॉ. रक्षंदा रूही मेहदी को उनके उर्दू लघु कहानी संग्रह 'मानसून स्टोर' के लिए मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी का प्रतिष्ठित हामिद सईद खान पुरस्कार मिला है। पुरस्कार राशि के रूप में 51,000/- रुपये भी प्रदान किए जाते हैं।

यह पुरस्कार प्रगतिशील महिलाओं के प्रयासों और उन महिलाओं की असाधारण उपलब्धियों के लिए दिया जाता है जिन्होंने बाधाओं को तोड़ा है और अपने संबंधित क्षेत्रों में उत्कृष्ट कौशल का प्रदर्शन किया है।

जामिया की वाइस चांसलर प्रो. नजमा अख्तर ने डॉ रक्षंदा रूही को उनकी महान उपलब्धियों के लिए बधाई दी और उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दीं।

डॉ रक्षंदा ने कहा, "मैं इस पुरस्कार के लिए चुने जाने पर बेहद सम्मानित महसूस कर रही हूं। मुझे अपने लेखन के प्रति जुनून है और यह पुरस्कार वास्तव में दर्शाता है कि मैं मानती हूं – कि एक महिला के जीवन को बेहतर बनाने में साहस और उसकी मजबूत भूमिका महत्वपूर्ण होती है। मैं अपने प्रयासों को जारी रखने और समाज में महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हूं।"

"मानसून स्टोर" के अलावा, रक्षंदा ने एक और उर्दू कहानी संग्रह "मगर एक शाख ए निहाल ए गम" भी लिखा है। उन्होंने "एक ख्वाब जागती आंखों का", एक हिंदी लघु कहानी संग्रह और सूफीवाद पर एक पुस्तक "अलखदास" भी लिखी है।

उन्होंने "आखरी स्वरियां" उर्दू से हिंदी में और "नौलखी कोठी" नामक एक पाकिस्तानी उपन्यास का अनुवाद भी किया है।

इससे पहले, डीडी उर्दू ने एक टेली फिल्म "चिलमन के पार" का प्रसारण किया था, जो उनकी कहानी पर आधारित थी, जिसका नाम था "बहुत संभला वफ़ा का पैसा मगर..."। उनकी कहानी पर एक नाटक "कहाँ है मंजिल ए राह ए तमन्ना" का मंचन राम लाल भवन नई दिल्ली में किया गया है।

इसके अलावा, उन्होंने कई लेख लिखे हैं जो प्रसिद्ध पत्रिकाओं और समाचार पत्रों में प्रकाशित हुए हैं। वह ऑल इंडिया रेडियो और डीडी उर्दू के टॉक शो और स्टोरी नैरेशन की नियमित प्रतिभागी हैं।

उन्हें उनके साहित्यिक कार्यों के लिए कई अन्य पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया